

नर्मदाष्टकम्

Narmadashtakam

[sanskritdocuments.org](http://sanskritdocuments.org)

February 19, 2019

---

# Narmadashtakam

---

## नर्मदाष्टकम्

---

### Sanskrit Document Information



---

Text title : narmadAShTakam

File name : narmadAShTakam.itx

Category : devii, devI, nadI, aShTaka

Location : doc\_devii

Author : Maheshvaranandasarasvati

Proofread by : Aruna Narayanan narayanan.aruna at gmail.com

Description/comments : Brihat Stotra Ratnakar Shivadutta Shastri

Latest update : February 19, 2019

Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

February 19, 2019

*sanskritdocuments.org*

---

नर्मदाष्टकम्



श्रीनर्मदे सकल-दुःखहरे पवित्रे  
ईशान-नन्दिनि कृपाकरि देवि धन्ये ।  
रेवे गिरीन्द्र-तनयातनये वदान्ये  
धर्मानुराग-रसिके सततं नमस्ते ॥ १ ॥

विन्ध्याद्रिमेकलसुते विदितप्रभावे  
शान्ते प्रशान्तजन-सेवितपादपद्मे ।  
भक्तार्तिहारिणि मनोहर-दिव्यधारे  
सोमोद्भवे मयि निधेहि कृपाकटाक्षम् ॥ २ ॥

आमेकलादपर-सिन्धु-तरङ्गमाला  
यावद् बृहद् -विमल -वारि-विशालधारा ।  
सर्वत्र धार्मिकजनाऽऽप्युत्तीर्थदेशा  
श्रीनर्मदा दिशतु मे निजभक्तिमीशा ॥ ३ ॥

सर्वाः शिला यदनुषङ्गमवाप्य लोला  
विश्वेशरूपमधिगम्य चमत्कृताङ्गाः ।  
पूज्या भवन्ति जगतां स-सुराऽसुराणां  
तस्यै नमोऽस्तु सततं गिरिशङ्गजायै ॥ ४ ॥

यस्यास्तटीमुभयतः कृतसन्निवेशा  
देशाः समीर-जलबिन्दु-कृताभिषेकाः ।  
सोत्कण्ठ-देवगण-वर्णितपुण्यमालाः  
श्रीभारतस्य गुणगौरवमुद्गृणन्ति ॥ ५ ॥

स्वास्थ्याय सर्वविधये धन-धान्य-सिद्ध्यै  
वृद्धिप्रभावनिधये जनजागरायै ।  
दिव्यावबोधविभवाय महेश्वरायै  
भूयो नमोऽस्तु वरमञ्जुलमङ्गलायै ॥ ६ ॥

कल्याण-मङ्गल-समुज्ज्वल-मञ्जुलायै  
पीयूषसार-सरसीरुह-राजहंस्यै ।  
मन्दाकिनी-कनक-नीरज-पूजितायै  
स्तोत्रार्चनान्यमर-कण्टक-कन्यकायै ॥ ७ ॥

श्यामां मुग्धसुधा-मयूरवदनां रत्नोज्ज्वलालङ्कृतिं  
रामां फुल्ल-सहस्रपत्रनयनां हासोल्लसन्तीं शिवाम् ।  
वामां बाहुविशाल-वल्लिवलया-लोलाङ्गुलीपल्लवां  
लालित्योल्लसितालकावलिकलां श्रीनर्मदां भावये ॥ ८ ॥

श्रीनर्मदाङ्घ्रि-सरसीरुह-राजहंसी  
स्तोत्राष्टकावलिरियं कलगीतवंशी ।  
संवाद्यतेऽनुदिनमेकसमां भजद्भि-  
र्यैस्ते भवन्ति जगदम्बिकयाऽनुकम्प्याः ॥ ९ ॥

काशीपीठाधिनाथेन शङ्कराचार्यभिक्षुणा ।  
कृता महेश्वरानन्द-स्वामिनाऽऽस्तां सतां मुदे ॥ १० ॥  
इति काशीपीठाधीश्वर-जगद्गुरु-शङ्कराचार्य-स्वामि-  
श्रीमहेश्वरानन्द-सरस्वती-विरचितं नर्मदाष्टकं सम्पूर्णम् ।

Proofread by Aruna Narayanan narayanan.aruna at gmail.com

---



*Narmadashtakam*

pdf was typeset on February 19, 2019



Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

